सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र

प्राकृत भाषा और साहित्य

एक वर्षीय पाठ्यक्रम

भाग - १

इकाई - १ कालांश - ५.

१.प्राकृत भाषा का सामान्य परिचय-

क. प्राकृत भाषा क्या है? इसकी प्राचीनताः ख. भारतीय भाषाओं में प्राकृत भाषा का वैशिष्ट्य.

२.प्राकृत भाषा के विविध भेदों का सामान्य परिचय

इकाई - २ कालांश - २५

विविध प्राकृत भाषाओं की विशेषतायें, उदाहरण सहित

इनके प्रमुख

(क) शिलालेखी प्राकृत भाषा और इसकी निती

(ख) पालि भाषा

(ग) मागधी प्राकृत

(घ) अर्धमागधी प्राकृत

(ङ) शौरसेनी प्राकृत

(च) महाराष्ट्री प्राकृत

(छ) पैशाची प्राकृत

(ज) अपभ्रंश भाषा

(झ) अन्य प्राकृत भाषायें.

(ञ) प्राकृत भाषाओं से उद्‌भूत (जन्मी) एवं इनसे प्रभावित भाषायें

इकाई-३. कालांश - १५

(क) प्राकृत भाषा का व्याकरण

सामान्य परिचय. प्राकृत भाषा के व्याकरण विषयक प्रमुख ग्रन्थ.

(29) प्राकृत वर्णमाला.

(1) स्वर एवं स्वर परिवर्तन

(11) व्यंजन, व्यंजन परिवर्तन,

संयुक्त-असंयुक्त व्यंजन

(५) शब्द रूप (संज्ञा शब्द

भाग - २

इकाई - १.

कालांश - १५.

प्राकृत भाषा का व्याकरणात्मक सामान्य ज्ञान.

(क) कारक-विभक्ति परिचय

(ख) शब्दरूप - अकारान्त पुल्लिंग - जिणो, अर्हतो,

आकारान्त स्त्रीलिंग--माला, लया.

इकारान्त पुल्लिंग- गिरि, मुनि

इकारान्त स्त्रीलिंग- जुवइ, पुत्ति.

अकारान्त नपुंसक लिंग - णयरं

(ग)सर्वनाम-पुल्लिंग-अम्ह(अस्मद्),सो(तद्),तुमं(युष्मद्), इमो(इदम्), एसो(एतद्), सव्वो(सर्व).

स्त्रीलिंग--सा(तद्), इमा(इदम्), एआ(एतद्), एसा(इदम्), सव्वा {सर्व)

नपुंसक लिंग--तं(तद्), इअं(इदम्), एअं{एतद्), अमुं (अदस्)

(ड॰) धातु रूप -- हो (भू), अत्थि (अस्), गच्छ (गम्) , पढ (पठ्)

इकाई – २

कालांश - ०५

सरल वाक्य प्रयोग -: हिन्दी से प्राकृत, प्राकृत से हिंदी .

इकाई - ३

कालांश - २५

i. प्राकृत का आगम साहित्य
   क) आगम वाचनाएं
   ख)प्राकृत आगम साहित्य
ii. बारह अंग आगमों का संक्षिप्त परिचय.
iii. उपांग, मूलसूत्र तथा अन्याय आगम साहित्य का संक्षिप्त परिचय
iv. शौरसेनी प्राकृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय

भाग - ३

इकाई - १. कालांश - २५

प्राकृत व्याकरण

(क) अव्यय

(ख) सन्धि

(ग) समास

(घ) भूत एवं भविष्यत्काल के प्रमुख धातु(क्रिया)रूप, विध्यर्थक एवं आज्ञार्थक क्रिया (धातु) रूप.

(ड•) उपसर्ग

(च) प्राकृत में संख्या- वाचक शब्द

(छ) वाक्य प्रयोग- प्राकृत से हिन्दी, हिन्दी से प्राकृत

इकाई – **२** कालांश - २५

क) पाइय गज्ज (प्राकृत गद्य)-

पाठ्यपुस्तक से निबंध-गिह उववणं, विज्जालयं, प्रभायबेला, दिणचरिया, वत्तालावं, सरोवरं,अमंगलिय पुरिसस्स कहा,सिप्पीपुत्तस्स कहा.

(ख) पाइय पज्ज (प्राकृतपद्य)

1. द्रव्य संग्रह (गाथा -१-२७.

2. उत्तराध्ययनसूत्र- विनयसुत्त अध्ययन.

इकाई-३ कालांश - ४०

1. संस्कृत नाटकों में प्राकृत सम्वाद

(क) मृच्छकटिकम् में प्रयुत्त प्रमुख प्राकृत सम्वादों का भाषा वैशिष्ट्य.

(ख) अभिज्ञान शाकुन्तलम् नाटक के सम्वादों का प्राकृत भाषा वैशिष्ट्य.

(ग) विक्रांत कौरवम् नाटक के प्राकृत

सम्वादों का भाषा वैशिष्ट्य.

(घ) कर्पूरमंजरी सट्टक का भाषा वैशिष्ट्य .

2. प्रमुख प्राकृत महाकाव्यों का परिचय.

3. प्रमुख प्राकृत कथा ग्रन्थों का परिचय.

4. प्राकृत मुक्तक काव्य- गाथा सप्तशती एवं वज्जालग्ग का विषय परिचय एवं इनका भाषा वैशिष्ट्य.

सहायक पुस्तकें

१. प्राकृत स्वयं शिक्षक - प्रो. प्रेम सुमन जैन. प्रका० प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर.

२. सुबोध प्राकृत व्याकरण, भाग-१-३. प्रका० तिलोकरत्न स्था. जैन परीक्षा बोर्ड, आनंदधाम, अहमदनगरः

३. प्राकृत भाषा विमर्श-प्रो. फूलचन्द जैन. प्रका बी.एल. इं० आफ इण्डोलोजी, जी. टी. करनाल रोड अलीपुर, दिल्ली-३६

४.प्राकृत साहित्य की रूपरेखा - डॉ. तारा डागा, प्राकृत भारती, जयपुर

५. प्राकृत रचना सौरभ, प्रो. कमलचंद सौगाणी, अपभ्रंश साहित्य अकादमी, जयपुर.

६- प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- तारा प्रकाशन,

७. प्राकृत साहित्य का इतिहास, डा. जगदीश चंद जैन, प्रका. चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी.

८. द्रव्यसंग्रह- मुनि नेमीचंदसिद्धान्तिदेव.

९. प्राकृत प्रबोध, डॉ. नेमीचंद शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

१०. उत्तराध्ययन सूत्र.

११. प्राकृत गद्य सोपान. प्रो.प्रेम सुमन जैन, प्राकृत भारती, जयपुर